इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ

MJY-001

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं ऐतिहासिकता

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

MJY-001
भारतीय ज्योतिष का परिचय एवम् ऐतिहासिकता

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवम् ऐतिहासिकता

खण्ड 1 ज्योतिष शास्त्र का उद्भव एवं विकास

खण्ड 2 ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता

खण्ड 3 ज्योतिष शास्त्र के अंग

खण्ड 4 ज्योतिष शास्त्र में – सृष्टि, प्रलय, पृथ्वी, दिग् व्यवस्था

पाठ्यक्रम विशेषज्ञ समिति

प्रोफेसर देवी प्रसाद त्रिपाठी
कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय,
हरिद्वार, उत्तराखण्ड

प्रोफेसर भारत भूषण मिश्र
ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
के.जे.सोमैय्या परिसर, मुम्बई

प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय
अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,
वाराणसी

प्रोफेसर श्याम देव मिश्र
ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
जयपुर परिसर, राजस्थान

प्रोफेसर मालती माथुर,
निदेशक, मानविकी विद्यापीठ,
इग्नू

कार्यक्रम समन्वयक,
डॉ0 देवेश कुमार मिश्र
एसोसिएट प्रोफेसर
संस्कृत विभाग, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू

कार्यक्रम समन्वयक (Programme Coordinator)

डॉ0 देवेश कुमार मिश्र
एसोसिएट प्रोफेसर
संस्कृत विभाग, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू

पाठ्यक्रम सम्पादक

प्रोफेसर देवी प्रसाद त्रिपाठी
कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय
हरिद्वार, उत्तराखण्ड

पाठ्यक्रम लेखक

लेखक	खण्ड	इकाई
डॉ0 प्रवेश व्यास वास्तुशास्त्र विभाग, लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली	1	01 से 05
डॉ0 कृष्ण कुमार भार्गव असिस्टेण्ट प्रोफेसर, वास्तुशास्त्र विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति, आन्ध्रप्रदेश	2	01 से 05
प्रोफेसर श्याम देव मिश्र ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, राजस्थान	3	01 से 05
डॉ0योगेन्द्र कुमार शर्मा वास्तुशास्त्र विभाग, लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली.	4	01 से 06

आवरण

श्री तमाल बासु

सामग्री निर्माण

श्री तिलक राज
सहायक कुल सचिव
सा.नि. एवं वि. प्र. इग्नू, नई दिल्ली

दिसम्बर, 2021

©इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2021

ISBN : 978-93-5568-140-9

सर्वाधिकार सुरक्षित, इस कार्य का कोई भी अंश इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

मानविकी विद्यापीठ एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में विश्वविद्यालय कार्यालय मैदान गढ़ी नई दिल्ली से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग, इग्नू द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

लेजर टाइप सेटिंग : टेसा मीडिया एण्ड कंप्यूटर, C-206, A.F.Enclave-II, नई दिल्ली

मुद्रक : आकाशदीप प्रिंटर्स, 20–अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110002

विषयानुक्रम

खण्ड 1.	**ज्योतिष शास्त्र का उद्भव एवं विकास**	**7**
इकाई 1.	संस्कृत वाङ्मय का स्वरूप	9
इकाई 2.	ज्योतिष शास्त्र का परिचय	29
इकाई 3.	ज्योतिष शास्त्र का उद्भव एवं विकास	40
इकाई 4.	ज्योतिष शास्त्र के प्रवर्तक एवं आचार्य	53
इकाई 5.	ज्योतिष शास्त्र की वेदांगता	67
खण्ड 2.	**ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता**	**95**
इकाई 1.	शिक्षा के क्षेत्र में ज्योतिष की उपयोगिता	97
इकाई 2.	समाज में ज्योतिष की उपयोगिता	112
इकाई 3.	पर्यावरण और ज्योतिष	125
इकाई 4.	स्वास्थ्य और ज्योतिष	141
इकाई 5.	विभिन्न समस्यायें और ज्योतिष	156
खण्ड 3.	**ज्योतिष शास्त्र के अंग**	**169**
इकाई 1.	बहुस्कन्धात्मक ज्योतिष का विवेचन	171
इकाई 2.	प्रमुख स्कन्ध – सिद्धान्त	184
इकाई 3.	प्रमुख स्कन्ध – संहिता	197
इकाई 4.	प्रमुख स्कन्ध – होरा	211
इकाई 5.	स्कन्धों का पारस्परिक सम्बन्ध	226
खण्ड 4.	**ज्योतिष शास्त्र में – सृष्टि, प्रलय, पृथिवी, दिग् व्यवस्था**	**239**
इकाई 1.	सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त	241
इकाई 2.	विश्व, सौरपरिवार एवं पृथिवी	252
इकाई 3.	देश की अवधारणा एवं भेद	276
इकाई 4.	दिक् की अवधारणा एवं भेद	292
इकाई 5.	काल की अवधारणा एवं भेद	303
इकाई 6.	प्रलय की अवधारणा एवं भेद	315

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ

MVS-013

गृह एवं व्यावसायिक वास्तु

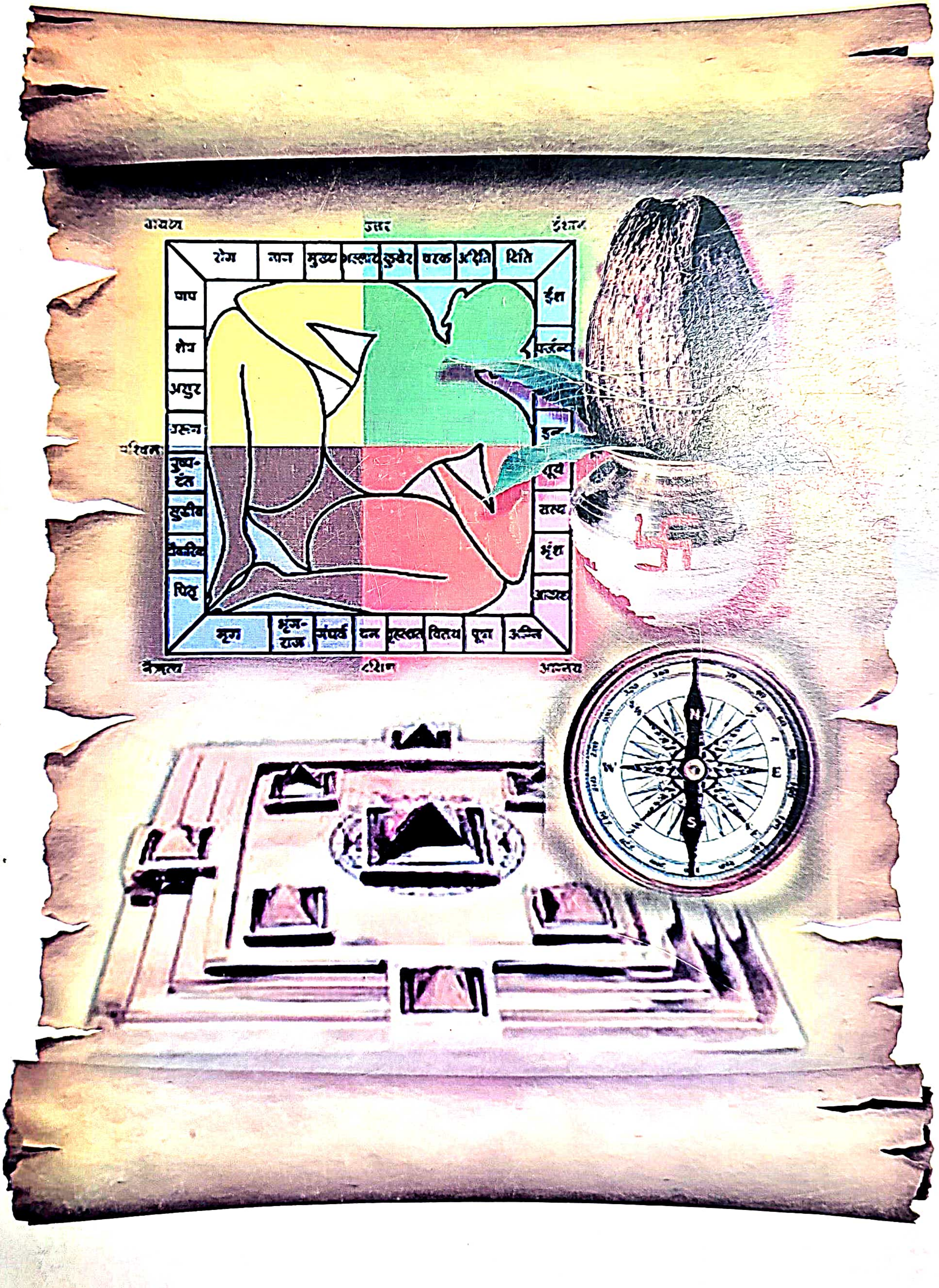

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

MVS-013
गृह एवं व्यावसायिक वास्तु

खण्ड 1	कक्ष एवं शाला - विचार	9
खण्ड 2	गृहप्रवेश	89
खण्ड 3	गृहसज्जा एवं जीर्णोद्धार	157
खण्ड 4	व्यावसायिक - वास्तु	241

पाठ्यक्रम-लेखक

लेखक	खण्ड	इकाई
डॉ. नित्यानन्द ओझा, असिस्टेंट प्रोफेसर, श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, सोमनाथ, गुजरात	1	01
डॉ. प्रवेश व्यास, वास्तुशास्त्र विभाग, लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली	1	02, 03, 04
डॉ.निगम पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, ज्योतिष विभाग, धर्मसमाज संस्कृत महाविद्यालय, रामबाग चौक, मुजफ्फरपुर, बिहार	1	05
डॉ. प्रभाकर पुरोहित, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	2	01 से 05
डॉ.मृत्युञ्जय कुमार तिवारी, सहायक आचार्य एवं अध्यक्ष ज्योतिष विभाग, श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय निंबाहेडा चित्तौडगढ राजस्थान	3	01, 02, 03
डॉ. आशुतोष तिवारी, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड	3	04
डॉ. रत्नलाल शर्मा, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, ज्योतिष विभाग, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार	3	05
डॉ. निगम पाण्डेय, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, ज्योतिष विभाग, धर्मसमाज संस्कृत महाविद्यालय, रामबाग चौक, मुजफरपुर- बिहार	4	01 से 05

कार्यालयीय सहयोग:

जानकी भट्ट, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

सामग्री निर्माण

श्री तिलक राज
सहायक कुलसचिव, इग्नू, नई दिल्ली

अप्रैल, 2023

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2023

ISBN : 978-93-5568-788-3

सर्वाधिकार सुरक्षित, इस कार्य का कोई भी अंश इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मकुत विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मानविकी विद्यापीठ एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में विश्वविद्यालय कार्यालय मैदान गढ़ी नई दिल्ली से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग, इग्नू द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

लेजर टाइप सेटिंग : टेसा मीडिया एण्ड कंप्यूटर,C-206, A.F.Enclave-II,नई दिल्ली

मुद्रक : मैसर्स डी० के० प्रिंटर्स, 5/37 ए, कीर्ति नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली – 110015 द्वारा मुद्रित।

विषय-सूची

खण्ड 1	**कक्ष एवं शाला विचार**	**9**
इकाई 1	गृहों के प्रकार	11
इकाई 2	कक्ष विन्यास (भाग-1)	31
इकाई 3	कक्ष विन्यास (भाग-2)	45
इकाई 4	शाला एवम् अलिन्द विचार	56
इकाई 5	तल,छत एवं सोपानादि विचार	75
खण्ड 2	**गृहप्रवेश**	**89**
इकाई 1	गृहप्रवेश के मासादि एवं कुम्भ- चक्र	91
इकाई 2	गृहप्रवेश मुहूर्त	102
इकाई 3	गृहप्रवेश विधि	113
इकाई 4	वास्तुदोष	129
इकाई 5	वास्तुशान्ति	145
खण्ड 3	**गृहसज्जा एवं जीर्णोद्धार**	**157**
इकाई 1	गृहाभ्यन्तर व्यवस्था (शैय्या-चित्रादि)	159
इकाई 2	गृह - समीप रोपणीय वृक्षादि	181
इकाई 3	जल- व्यवस्था	199
इकाई 4	पशु एवं वाहन के स्थानादि का विचार	215
इकाई 5	जीर्णोद्धार के सिद्धान्त एवं विधि	225
खण्ड 4	**व्यावसायिक वास्तु**	**241**
इकाई 1	औद्योगिक वास्तु	243
इकाई 2	व्यापारिक प्रतिष्ठान के लिए वास्तु	253
इकाई 3	शिक्षा सम्बन्धी संस्थानों के लिए वास्तु	266
इकाई 4	चिकित्सालय के लिए वास्तु	277
इकाई 5	व्यावसायिक वास्तु-सम्बन्धी विविध मुहूर्त्त	289

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ

MJY-007

संहिता-ज्योतिष

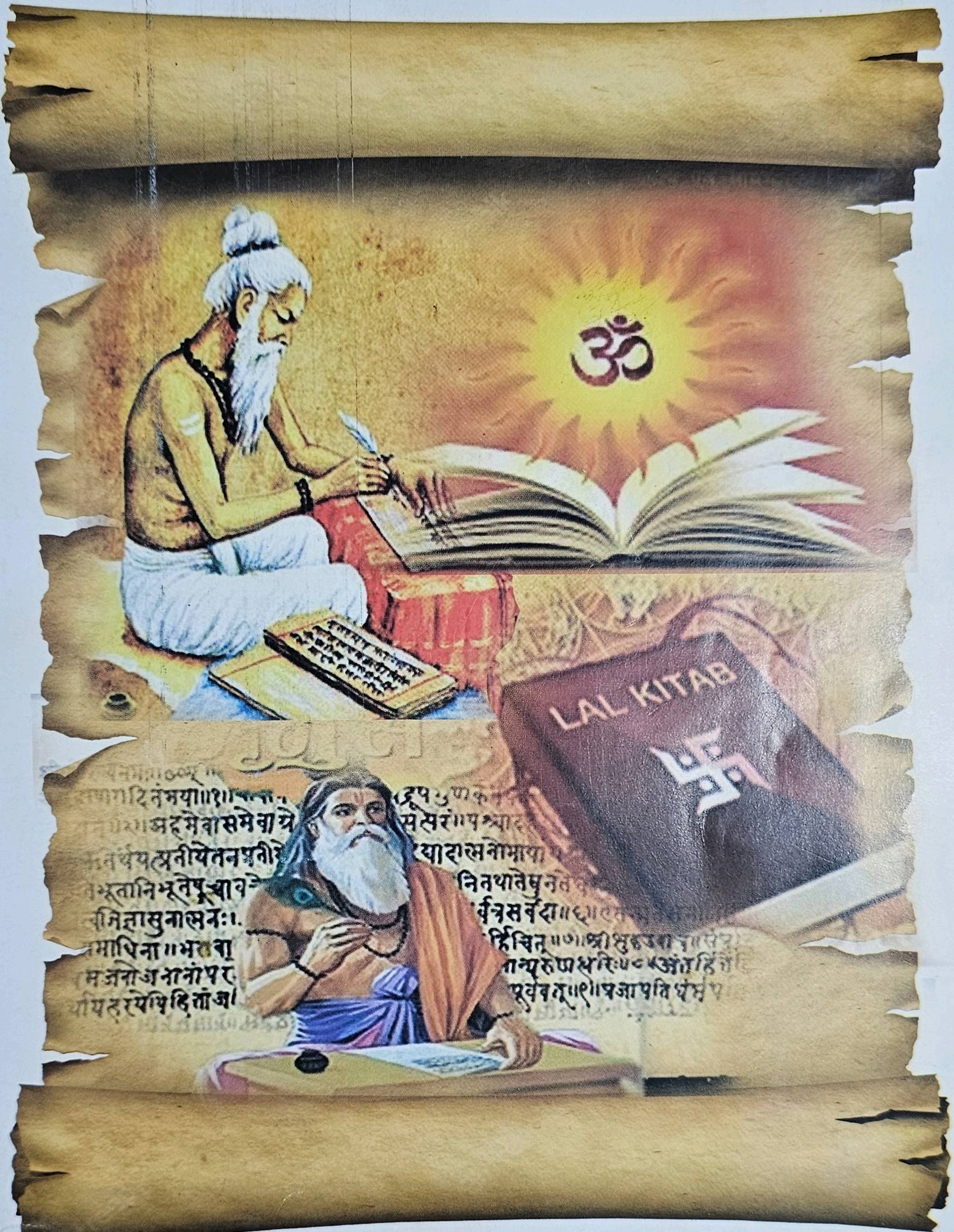

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

MJY-007
संहिता-ज्योतिष

खण्ड 1	दैवज्ञ-लक्षण एवं संहिता-ज्योतिष	5
खण्ड 2	ग्रहचार-भाग 1	77
खण्ड 3	ग्रहचार-भाग 2	149
खण्ड 4	दकार्गलादि विचार	207

पाठ्यक्रम-निर्माण विशेषज्ञ-समिति

प्रोफेसर देवी प्रसाद त्रिपाठी कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड	प्रोफेसर मालती माथुर निदेशक, मानविकी विद्यापीठ इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू, नई दिल्ली
प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	प्रोफेसर भारत भूषण मिश्र ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के.जे. सोमैय्या परिसर, मुम्बई
प्रोफेसर श्यामदेव मिश्र ज्योतिष विभाग,केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, राजस्थान	**कार्यक्रम एवं पाठ्यक्रम समन्वयक** **Programme and Course Coordinator** डॉ. देवेश कुमार मिश्र एसोसिएट प्रोफेसर संस्कृत इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू, नई दिल्ली

प्रोफेसर कौशल पंवार

वर्तमान निदेशक

मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

मुख्य-सम्पादक	**सह-सम्पादक**
डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगांवकर संस्कृत, वेद, ज्योतिर्विज्ञान विभाग विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन	डॉ.देवेश कुमार मिश्र एसोसिएट प्रोफेसर संस्कृत, मानविकी विद्यापीठ इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम लेखक

लेखक	खण्ड	इकाई
डॉ. प्रवेश व्यास, सहायक आचार्य, वास्तुशास्त्र विभाग, श्रीलालबहादुरशास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय कटवारिया सराय, नई दिल्ली	1	01 से 04
डॉ. निगम पाण्डेय, असिस्टेण्ट प्रोफेसर ज्योतिष विभाग,धर्मसमाज संस्कृत महाविद्यालय, रामबाग चौक, मुजफफरपुर बिहार	2	01 से 05
डॉ. अम्बुज त्रिवेदी, सहायक आचार्य, ज्योतिष विभाग, ब्रजभूषण संस्कृत महाविद्यालय, खरखुरा – गया, बिहार	3	01से 05
डॉ. निर्भय कुमार पाण्डेय, सहायक प्राचार्य,ज्योतिष, रामाधीन मिश्र, भास्करोदय संस्कृत महाविद्यालय,देवढिया,बक्सर बिहार अंगीभूत इकाई कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार	4	01 से 02
डॉ. आशुतोष तिवारी, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर ,देवप्रयाग, उत्तराखण्ड		03 से 06

कार्यालयीय सहयोग: जानकी भट्ट, मानविकी विद्यापीठ

सामग्री निर्माण

श्री तिलक राज
सहायक कुलसचिव,
एम.पी.डी.डी., इग्नू, नई दिल्ली

फरवरी, 2023

© इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2023

ISBN: 978-93-5568-718-0

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस सामग्री के किसी भी अंश को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में मिमियाग्राफी(चक्र मुद्रण) द्वारा अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में अधिक जानकारी विश्वविद्यालय के कार्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068 से अथवा इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट: *http://www.ignou.ac.in* से प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

लेजर टाइप सेटिंग: टेस मीडिया एण्ड कंप्यूटर, सी–206, ए. एफ. इन्कलेव–2, नई दिल्ली–110 025

मुद्रण: हाईटेक ग्राफिक्स, एफ–28/3, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–2, नई दिल्ली–110 020

विषय-सूची

खण्ड 1	**दैवज्ञ-लक्षण एवं संहिता-ज्योतिष**	**7**
इकाई 1	संहिता-ज्योतिष का परिचय	9
इकाई 2	दैवज्ञ-लक्षण विवेचन	24
इकाई 3	बृहत्संहिता का परिचय	41
इकाई 4	प्रमुख संहितायें एवं संहिताकार	59
खण्ड 2	**ग्रहचार - भाग 1**	**79**
इकाई 1	आदित्यचार	81
इकाई 2	चन्द्रचार	95
इकाई 3	बुधचार	109
इकाई 4	बृहस्पतिचार	122
इकाई 5	शुक्रचार	137
खण्ड 3	**ग्रहचार - भाग 2**	**151**
इकाई 1	शनिचार	153
इकाई 2	राहुचार	165
इकाई 3	केतुचार	178
इकाई 4	अगस्त्यचार	190
इकाई 5	सप्तर्षिचार	201
खण्ड 4	**दकार्गलादि विचार**	**209**
इकाई 1	दकार्गल	211
इकाई 2	वृष्टि विवेचन	223
इकाई 3	वृक्षायुर्वेद	238
इकाई 4	प्राकृतिकोत्पात	248
इकाई 5	कूर्मचक्र	266
इकाई 6	ग्रहभक्ति	286

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ

CBKG-002
कालगणना की विधियाँ

खण्ड 1 **भारतीय कालमान-1**	**7**
खण्ड 2 **भारतीय कालमान-2**	**81**

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

पाठ्यक्रम विशेषज्ञ समिति

प्रो. रविप्रकाश आर्य
आचार्य, महर्षि दयानन्द पीठ,
महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय,
रोहतक

प्रो. हंसधर झा
आचार्य, ज्योतिष विभाग,
भोपाल परिसर, राष्ट्रीय संस्कृत
विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

डॉ. अशोक थपलियाल
सह आचार्य, वास्तुशास्त्र विभाग,
श्री लालबहादुर राष्ट्रीय संस्कृत
विश्वविद्यालय, दिल्ली

श्री रवि शंकर
निदेशक, सभ्यता अध्ययन केन्द्र,
नई दिल्ली

प्रो. मालती माथुर
निदेशक, मानविकी विद्यापीठ,
इग्नू मैदानगढ़ी, नई दिल्ली

डॉ. सोनिया
सहायक आचार्य, संस्कृत,
एवं पाठ्यक्रम संयोजक,मानविकी
विद्यापीठ, इग्नू मैदानगढ़ी, दिल्ली

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

इकाई लेखक	सम्पादन
डॉ. प्रवेश व्यास (इकाई-1,4,5,6,7,8) सहायक आचार्य, वास्तुशास्त्र विभाग, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय	**श्री रविशंकर** निदेशक, सभ्यता अध्ययन केन्द्र
डॉ. देश बन्धु (इकाई-3) सहायक आचार्य,वास्तुशास्त्र विभाग, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय	**भाषा-सम्पादन** **डॉ. सोनिया,** सहायक आचार्य, संस्कृत, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू
श्री रविशंकर(इकाई- 2,9) निदेशक, सभ्यता अध्ययन केन्द्र	
डॉ. गोविन्द वल्लभ (इकाई – 10,11,12,13,14) सहायक आचार्य,ज्योतिष विभाग, महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल	

सामग्री निर्माण

श्री तिलक राज
सहायक कुलसचिव, सा. नि. एवं वि. प्र., इग्नू, नई दिल्ली

जनवरी, 2023

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2023

ISBN: 978-93-5568-734-0

सर्वाधिकार सुरक्षित, इस कार्य का कोई भी अंश इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मकुत विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्ततु करने की अनुमति नहीं है। मानविकी विद्यापीठ एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बार `में विश्वविद्यालय कार्यालय मैदान गढ़ी नई दिल्ली से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की आरे से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग, इग्नू द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

लेजर टाइप सेटिंग : टेसा मीडिया एण्ड कंप्यटूर, C-206, A.F.Enclave-II,नई दिल्ली

मुद्रक : चन्दु प्रेस, 469, पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एस्टेट, दिल्ली–110092

पाठ्यक्रम परिचय

CBKG – 002 **"कालगणना की विधियां"**4 क्रेडिट के इस पाठ्यक्रम में कालगणना की भारतीय विधियों के बारे में पढ़ेंगे।

पिछले पाठ्यक्रम में हमने काल के दर्शन को पढ़ा था। इन इकाइयों के अध्ययन से हम जान सकेंगे कि ये विधियां और इसकी इकाइयां पूरी तरह वैज्ञानिक हैं। चाहे वह निमिष, त्रुटि, पल, घटी और मुहुर्त आदि की सूक्ष्म गणना हो या फिर युगों, मन्वन्तरों, कल्पों आदि की विशाल इकाइयां हों, ये सभी इकाइयां पूरी तरह तार्किक और प्रत्यक्ष अवलोकनों पर आधारित हैं। उदाहरण के लिए त्रसरेणु की इकाई है। यह सूर्य के प्रकाश में दिखने वाले सूक्ष्मतम कणों को प्रकाश द्वारा पार किये जाने की अवधि को त्रसरेणु कहा गया है। विचारणीय यह भी है कि त्रसरेणु का काल प्राचीन काल में भारतीय मनीषियों ने कैसे निकाला होगा?

निश्चित ही उस काल में भी ऐसे यंत्र रहे होंगे, जिससे ये गणनाएं की गई होंगी। उस काल के यंत्रों और वेधशालाओं की एक झलक भी इस पाठ्यक्रम में दी गई है। भारतीय मनीषियों ने कालगणना के माध्यम से न केवल सृष्टि के विज्ञान को सरलता से समझाया है, बल्कि उन्होंने इससे एक सुखी तथा संतुष्ट भारतीय समाज की रचना भी की। वास्तव में विज्ञान और समाजशास्त्र का अंतस्संबंध कालगणना के विषय से बहुत ही स्पष्टता से स्थापित होता है।

विज्ञान जहाँ प्रकृति के रहस्यों को जानने और समझने का नाम है, वहीं उसके आधार पर सुखी मानव जीवन का निर्माण करना उसका अंतिम उद्देश्य है। यदि यह नहीं है तो होना चाहिए। इस पाठ्यक्रम की सभी इकाइयां कालगणना की इकाइयों को स्पष्ट करने के साथ-साथ उसके विज्ञान और दर्शन को भी स्पष्ट कर रही हैं। हमारा विश्वास है कि इस पाठ्क्रम के अध्ययन से छात्र न केवल पंचांग की वैज्ञानिकता को समझ पाएंगे, बल्कि इसकी दुरूहता भी समाप्त हो सकेगी और साथ ही वे काल के भारतीय दर्शन को समझ कर अपने जीवन को भी अच्छा और सुखी बना सकेंगे, जो कि ज्ञान की हर शाखा का अंतिम उद्देश्य है।इकाइयों की रचना इस प्रकार की गई है, ताकि तारतम्यता बनी रहे और आप अध्ययन करने वालों की रुचि बनी रहे। विज्ञान और दर्शन का विषय होने के कारण भाषा को सरलतम रखने का प्रयास किया गया है, फिर भी पारिभाषिक शब्दों को यथावत् ही दिया गया है।

कुल मिला कर अपेक्षा है कि छात्रों को दो खण्डों तथा 14 इकाइयों में विभाजित इस पाठ्यक्रम से पढ़ने में सरलता भी रहे और रोचकता भी बनी रहे। साथ में छात्रों को भरपूर जानकारियां भी मिल जाएं। आशा करते हैं कि छात्रों को बिना किसी कठिनाई के यह गूढ़तम विषय स्पष्ट हो सकेगा। अध्येता पूरे उत्साह के साथ आगे अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। इकाई के अन्त में उपयोगी पुस्तकों की सूची भी दी गई है, जिससे आप इन पुस्तकों का अध्ययन कर सम्बन्धित विषय में अधिक ज्ञान की प्राप्ति कर सकेंगे। हमें ऐसी आशा है कि हमारे अध्यताओं के लिए यह प्रस्तुत पाठ्यक्रम रुचिकर व ज्ञानवर्धक होगा।

शुभकामनाओं के साथ

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पाठ्यसामग्री निम्न प्रकार से प्रस्तुत की गई है –

पाठ्यक्रम 2. कालगणना की विधियाँ

खंड एक : भारतीय कालमान - 1

इकाई 1. भारतीय कालमान का वैशिष्ट्य

इकाई 2. भारतीय कालमान की सूक्ष्म एवं स्थूल इकाईयाँ

इकाई 3. मुहूर्त, तिथि, करण एवं योग

इकाई 4. दिनमान तथा सप्ताहमान

इकाई 5. पक्ष और ग्रहण

इकाई 6. ऋतु

इकाई 7. मास विमर्श (चतुर्विध मास, अधिमास, क्षय मास)

इकाई 8. अयन तथा वर्ष (सम्वत्सर)

खंड दो : भारतीय कालमान - 2

इकाई 9. युगमान -1 (5,12 तथा 60 वर्षीय युग)

इकाई 10. युगमान -2 (चतुर्युग और महायुग)

इकाई 11. मन्वन्तर

इकाई 12. कल्प एवं कल्पों का वैज्ञानिक विवरण

इकाई 13. ब्राह्म वर्ष, विष्णु वर्ष, शिव वर्ष, दैवीवर्ष

इकाई 14. भारतीय कालगणना की वेधशालाएं

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

विषय सूची

खंड एक : भारतीय कालमान-1		**7**
इकाई 1	भारतीय कालमान का वैशिष्ट्य	9
इकाई 2	भारतीय कालमान की सूक्ष्म एवं स्थूल इकाईयाँ	18
इकाई 3	मुहूर्त, तिथि, करण एवं योग	24
इकाई 4	दिनमान तथा सप्ताहमान	35
इकाई 5	पक्ष और ग्रहण	45
इकाई 6	ऋतु	55
इकाई 7	मास विमर्श (चतुर्विध मास, अधिमास, क्षय मास)	63
इकाई 8	अयन तथा वर्ष (सम्वत्सर)	72
खंड दो	**भारतीय कालमान-2**	**81**
इकाई 9	युगमान -1 (5,12 तथा 60 वर्षीय युग)	83
इकाई 10	युगमान -2 (चतुर्युग और महायुग)	91
इकाई 11	मन्वन्तर	98
इकाई 12	कल्प एवं कल्पों का वैज्ञानिक विवरण	105
इकाई 13	ब्राह्म वर्ष, विष्णु वर्ष, शिव वर्ष, दैवीवर्ष	113
इकाई 14	भारतीय कालगणना की वेधशालाएं	120

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

वेद एवं विश्वशांति

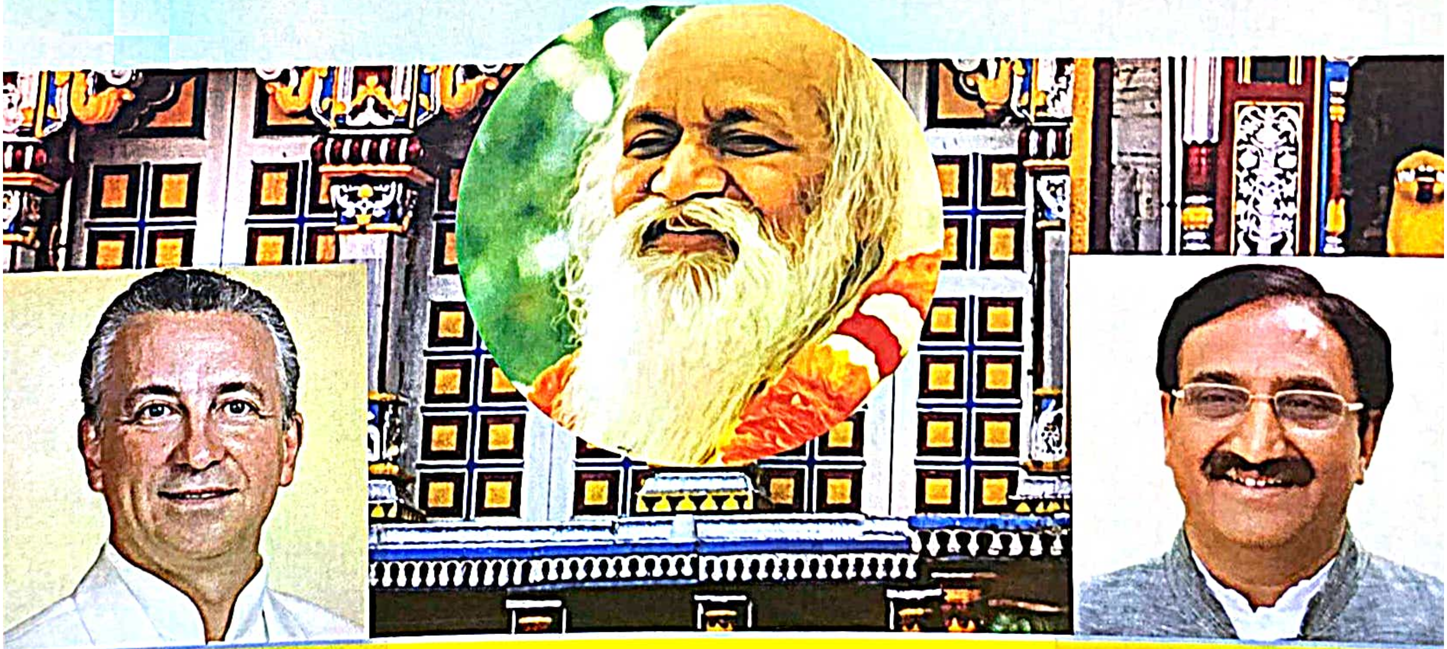

संपादक

डॉ. राजा लुइस अल्वारेज

डॉ. देवी प्रसाद त्रिपाठी

वेद एवं विश्वशान्ति

सम्पादक

डॉ. राजा लुइस अल्वारेज

एवं

प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी

प्रकाशक

PUBLICATION

PUBLICATION

PUBLICATION

के.बी.डी. पब्लिकेशन
नई दिल्ली-110002
संस्करण : 2024
ISBN- 978-81-960260-2-8

© सम्पादक

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। सम्पादक/लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश की फोटोकॉपी एवं रिकॉर्डिंग सहित इलेक्ट्रोनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनः प्रयोग की प्रणाली द्वारा किसी भी रूप में पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

वेद एवं विश्व शान्ति

सम्पादक: राजा लुइस अल्वारेज एवं प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी

प्रकाशक

के.बी.डी. पब्लिकेशन

4262/3, प्रथम मंजिल, अंसारी रोड़,
दरियागंज, दिल्ली- 110002
फोन: 011-43580581, 09810611914
Email: kbd.publication@gmail.com

अनुक्रमणिका

समर्पण —04

आशीर्वाद- सद्गुरु श्री मधूसूदन सांई —07

आशीर्वाद- ब्रह्मचारी वशिष्ठ —12

पुरोवाक् - डॉ. राजा लुइस अल्वारेज —15

सम्पादकीय- प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी —25

01. वैदिक ज्ञान से प्रेरित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
–डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' —33

02. वैदिक साहित्य में गणित की अवधारणा
– प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी —38

03. वेद से विश्व शान्ति और समृद्धि
–डॉ. राजेश नैथानी —63

04. वेदों में मानवीय मूल्य
– प्रो. गिरिजा शंकर शास्त्री —73

05. वेदों में शल्य चिकित्सा
– प्रो. गोपालप्रसाद शर्मा —81

06. आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में वैदिक ज्ञान की प्रासंगिकता
– प्रो. किशोर चंद्र पाढ़ी —89

07. वेदों में पर्यावरणी चिन्तन
– प्रो. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी —98

08. वेदों में सामाजिक समरसता
–प्रो. सुन्दरनारायण झा —136

09. वैदिक वाङ्मय में स्थापत्य
– प्रो. अशोक थपलियाल —151

10. वेदों में पर्यावरणीय अभिचेतना
- डॉ. मोहिनी अरोरा -168
11. स्थिरता के अनन्त रास्ते : शाश्वत भारतीय ज्ञान और सतत विकास लक्ष्य
- डॉ. प्रतिभा -183
12. वेदकालीन शिल्पी
- डॉ.देशबन्धु -197
13. वेदों में गणितशास्त्र
- डॉ. प्रवेशव्यास -206
14. वैदिक वाङ्मय में ॠतुओं की अवधारणा
- डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा -221
15. वैदिक वास्तु विमर्श
- डॉ. दीपक वशिष्ठ -230
16. वैदिक पर्यावरणीय चिन्तन
- डॉ. नवीन पाण्डेय -238
17. वैदिक मनोविज्ञान का एक अध्ययन
- डॉ. सूर्यमणि भण्डारी -256
18. वैदिक विज्ञानः ब्रह्माण्ड के रहस्यों का अनावरण
- डॉ. अव्यक्त रैना -264

वेदों में गणितशास्त्र

-डॉ. प्रवेशव्यास,
सहायकाचार्य, वास्तुशास्त्र विभाग,
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

जब 'भारत की विश्व को देन' विषय पर जब भी चर्चा की होती है, तब सर्वप्रथम गणितशास्त्र का उल्लेख होता है। सम्पूर्ण विश्व आज मानता है कि अंक के लेखन की प्रणाली, गणित में शून्य का प्रयोग, दशमलव पद्धति, त्रिकोणमिति, बीजगणित, रेखागणित आदि का ज्ञान भारतवर्ष से ही सम्पूर्ण विश्व में व्याप्त हुआ। इसके प्रमाण हमें वैदिक काल से ही प्राप्त हो जाते हैं। भारतीय आचार्यों ने तो गणित से ही विश्व की सृष्टि को माना है। एक दिगम्बर जैन भिक्षु महावीर (जीवन काल 814-877 ईस्वी) द्वारा ईस्वी सन् 850 के आसपास लिखी गई पुस्तक गणितासर संग्रह में इस बात को इस प्रकार से कहा है-

लौकिके वैदिके वापि तथा सामायिकेऽपि यः।
व्यापारस्तत्र सर्वत्र सङ्ख्यानमुपयुज्यते॥
कामतन्त्रेऽर्थशास्त्रे च गन्धर्वे नाटकेऽपि वा।
सूपशास्त्रे तथा वैद्ये वास्तुविद्यादिवस्तुषु॥
छन्दोऽङ्कारकाव्येषु तर्कव्याकरणादिषु ।
कलागुणेषु सर्वेषु प्रस्तुतं गणितं परम्॥
सूर्यादिग्रहचारेषु ग्रहणे ग्रहसंयुतौ ।
त्रिप्रश्ने चन्द्रवृतौ च सर्वत्रङ्गीकृतं हि तत्॥[1]

अर्थात् सांसारिक जीवन में, वैदिक शिक्षा में, धार्मिक व्यवहार में, व्यवसाय में, हर वस्तु में, गणित उपयोगी है। प्रणय में, अर्थशास्त्र में, संगीत, नृत्य और नाटक में, खाना पकाने में, चिकित्सा में और

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ

BSKS-191

भारतीय वास्तुकला प्रणाली

पाठ्यक्रम विशेषज्ञ समिति

प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय
कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

प्रो. आनन्द कुमार श्रीवास्तव
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग,
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

डॉ. रंजन कुमार त्रिपाठी
सह आचार्य, संस्कृत विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो. सत्यकाम, निदेशक,
मानविकी विद्यापीठ
इग्नू मैदानगढ़ी, नई दिल्ली

प्रो. रमाकान्त पाण्डेय
निदेशक, मुक्त स्वाध्याय पीठ,
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

डॉ. देवेश कुमार मिश्र
सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग,
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

पाठ लेखक	
डॉ. प्रवेश व्यास सहायक आचार्य, वास्तुशास्त्र विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	इकाई 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9
डॉ. अशोक थपलियाल सह आचार्य, वास्तुशास्त्र विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	इकाई 10, 11, 12, 13
डॉ. देशबन्धु सहायक आचार्य, वास्तुशास्त्र विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	इकाई 14, 15, 16, 17

पाठ्यक्रम सम्पादक

डॉ. रीता गुप्ता
सहायक आचार्य, संस्कृत संकाय, मानविकी विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम संयोजक

डॉ. रीता गुप्ता डॉ.
सहायक आचार्य,
संस्कृत संकाय, मानविकी विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

कार्यक्रम संयोजक

आशीष कुमार
सहायक आचार्य,
संस्कृत संकाय, मानविकी विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

सामग्री निर्माण

श्री तिलक राज
सहायक कुलसचिव, इग्नू, नई दिल्ली

मई, 2024

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2024

ISBN- 978-93-6106-848-5

सर्वाधिकार सुरक्षित, इस कार्य का कोई भी अंश इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मानविकी विद्यापीठ एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में विश्वविद्यालय कार्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग, इग्नू द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

लेजर टाइप सेटिंग : टेसा मीडिया एण्ड कंप्यूटर, C-206, A.F.Enclave-II, नई दिल्ली
मुद्रक : सरस्वती ऑफसेट प्रिन्टर्स प्रा0 लि0, सरस्वती हाउस, ए–5, नारायणा इण्डस्ट्रियल एरिया, फेस –2, नई दिल्ली–110028